

481

पंजाब केसरी :-

04/05/2026

(482) हिमाचल फ़ैलक :-

04/05/2026

विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी



पालमपुर : इग्नू स्टडी सेंटर 1187 द्वारा आयोजित इंडक्शन मीटिंग में उपस्थित प्रतिभागी। (भृगु)

पालमपुर, 3 मई (भृगु) : इग्नू स्टडी सेंटर 1187 द्वारा इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए केवल परिचय का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान और आत्मविकास की एक नई यात्रा का शुभारंभ सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन को-ऑर्डिनेटर डा. दीप कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वाध्याय और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डा. रविंद्र ठाकुर, प्रो. मयंक राणा, प्रो. तरसीम कुमार, लेफ्टिनेंट रेनू डोगरा तथा प्रो. भानु प्रताप सहित अन्य गण्यमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने प्रेरक विचारों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

इंडक्शन मीटिंग का आयोजन



पालमपुर। स्टडी सेंटर 1187, इग्नू द्वारा रविवार को एक प्रेरणादायी इंडक्शन मीटिंग का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन को-ऑर्डिनेटर डा. दीप कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वाध्याय और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डा. रविंद्र ठाकुर, प्रो. मयंक राणा, प्रो. तरसीम कुमार, लेफ्टिनेंट रेनू डोगरा तथा प्रो. भानु प्रताप आदि मौजूद रहे।

483.

दैनिक भास्कर :-

04/05/2026

(484)

दैनिक जागरण :-

04/05/2026

इंडक्शन मीटिंग में विद्यार्थियों को आत्मविश्वास से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी

पालमपुर | स्टडी सेंटर 1187 इग्नू द्वारा इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। संचालन को-ऑर्डिनेटर डा. दीप कुमार ने विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वाध्याय और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पालमपुर इग्नू स्टडी सेंटर में की इंडक्शन मीटिंग

पालमपुर : बलिदानी कैप्टन विक्रम बेतरा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर स्थित इग्नू स्टडी सेंटर 1187 इग्नू की ओर से तीन मई को प्रेरणादायी इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए केवल परिचय का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान और आत्मविकास की नई यात्रा का शुभारंभ सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का

संचालन को-ऑर्डिनेटर डा. दीप कुमार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वाध्याय और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर 32 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डा. रविंद्र ठाकुर, प्रो. मयंक राणा, प्रो. तरसीम कुमार, लेफ्टिनेंट रेनू डोगरा व प्रो. भानु प्रताप सहित अन्य मौजूद रहे। (संसा)

पालमपुर में राष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज

बिक्रम बतरा कालेज में भारतीय ज्ञान परंपरा पर मंथन का दौर, प्रासंगिकता समझाई

दिव्य हिमाचल ब्यूरो - पालमपुर

शहीद कैप्टन बिक्रम बत्रा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित भारतीय ज्ञान परंपराएं सतत भविष्य के लिए बहुविषक दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यअतिथि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रोफेसर महावीर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध परंपराओं में से एक है, जो कि दर्शन, विज्ञान, स्वास्थ्य और कला का मिश्रण है। यह सिर्फ



पालमपुर: कार्यशाला के दौरान मुख्यातिथि और अन्य प्रमुख वक्ता

अध्यात्म नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। 21वीं सदी की चुनौतियां जैसे स्वास्थ्य, पर्यावरण के समाधान के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ना है। समन्वयक डा मयंक राणा ने उपस्थितजनों का अभिनंदन

किया। आयोजन सचिव लेफ्टिनेंट रेनु डोगरा ने सम्मेलन के उद्देश्य की रूपरेखा प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि डॉ नरेंद्र कुमार सांख्यान कुलसचिव सीयू ने भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत, उसकी वैज्ञानिकता तथा आधुनिक समय में

उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। सौम्या सांबशिवन डीआईजी ने भारतीय दर्शन, ज्ञान और वैराग्य पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि जो हमारी विरासत है वह हमारे अंदर स्वाभिमान जागृत करती है। प्राचार्य एवं सम्मेलन के संरक्षक प्रोफेसर पंकज सूद ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर है। मुख्य वक्ता डॉ कौशल कुमार शर्मा ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा भारत की प्राचीन संस्कृति तथा सांस्कृतिक विरासत है। वर्तमान समय में हमें अपनी संस्कृति और ज्ञान परंपरा को समझने और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

दैनिक जागरण

8/05/26

बतरा कालेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आरंभ

संवाद सहयोगी, जागरण • पालमपुर : बलिदानी कैप्टन बिक्रम बतरा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) की ओर से प्रायोजित भारतीय ज्ञान परंपराएं सतत भविष्य के लिए बहुविषक दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रदेश विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. महावीर सिंह ने शिरकत की। प्रो. महावीर सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा, विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध परंपराओं में से एक है, इसमें दर्शन, विज्ञान, स्वास्थ्य और कला का मिश्रण है। यह सिर्फ अध्यात्म नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण है। 21वीं सदी की चुनौतियां स्वास्थ्य व पर्यावरण के समाधान के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ



राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलपति महावीर सिंह को सम्मान देते हुए • जागरण

जोड़ना है। कार्यक्रम समन्वयक डा मयंक राणा ने उपस्थित लोगों का अभिनंदन किया। आयोजन सचिव प्रो लेफ्टिनेंट रेनु डोगरा ने सम्मेलन के उद्देश्य की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विशिष्ट अतिथि कुलसचिव केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश डा नरेंद्र कुमार सांख्यान ने भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्ध विरासत, इसकी वैज्ञानिकता तथा आधुनिक समय में उसकी

प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। डीआईजी पुलिस सौम्या सांबशिवन ने भारतीय दर्शन, ज्ञान और वैराग्य पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डा कौशल कुमार शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा को भारत की प्राचीन, समृद्ध तथा सांस्कृतिक विरासत बताया और कहा कि वर्तमान समय में हमें अपनी संस्कृति और ज्ञान परंपरा को समझने और इसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।



Dignitaries during a two-day national conference on Indian knowledge systems at Shaheed Captain Vikram Batra Government College in Palampur.

Relevance of Indian knowledge systems in modern era discussed

OUR CORRESPONDENT

PALAMPUR, MAY 7

A two-day national conference on Indian knowledge systems (IKS) sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) concluded at Shaheed Captain Vikram Batra Government College on Thursday, bringing together more than 400 academics, researchers, scholars and students from institutions across the country.

The conference aims to promote interdisciplinary dialogue on Indian knowledge systems and their relevance in building sustainable and value-oriented futures.

The inaugural session was attended by Mahavir Singh, Vice-Chancellor of Himachal Pradesh University, as the chief guest. Narender Kumar Sankhyan, Registrar of Central University of Himachal Pradesh, and Soumya Sambasivan attended as guests of honour.

Conference convener Dr Mayank Rana outlined the objectives and thematic dimensions of the event,

highlighting its focus on sustainability, culture, education and indigenous knowledge traditions.

In his inaugural address, Prof Mahavir highlighted the role of Indian knowledge systems in promoting sustainable development and holistic human values. He also stressed the growing relevance of emerging fields such as quantum science, artificial intelligence and data science, and the need to integrate these with traditional Indian wisdom traditions.

He said the convergence of modern technologies with India's knowledge heritage could encourage innovation, ethical advancement and sustainable progress in society.

Principal Dr Pankaj Sood said the conference would provide an important academic platform for deliberations on India's intellectual and cultural heritage. He emphasised the need to integrate contemporary knowledge systems with ancient Indian wisdom traditions under the broader framework of the IKS.

Dr Sankhyan highlighted the importance of multidisciplinary engagement with

Indian knowledge traditions and their increasing relevance in higher education and research ecosystems.

Addressing the gathering, Soumya underlined the enduring relevance of Indian ethical and cultural values in strengthening society and governance. Referring to the philosophical essence of Bharat Darshan, she said Indian knowledge systems reflected a holistic vision rooted in harmony, duty, inclusivity and collective well-being.

The keynote address was delivered by Kaushal Kumar Sharma, former professor at the Centre for the Study of Regional Development and former dean of the School of Social Sciences at Jawaharlal Nehru University. He elaborated on the core principles and contemporary relevance of Indian knowledge systems.

The conference will feature 20 technical sessions over two days in hybrid mode, with scholars presenting research papers on sustainability, culture, education, indigenous traditions and traditional knowledge practices.

488

यंजा व केसरी

DATE

8/05/2026

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व की प्राचीन एवं समृद्ध विरासत : महावीर

पालमपुर कॉलेज में भारतीय ज्ञान परंपराओं पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

पालमपुर, 7 मई (भृगु): शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "भारतीय ज्ञान परंपराएं": सतत भविष्य के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण का शुभारंभ वीरवार को हुआ।

सम्मेलन में देशभर से शिक्षाविद, शोधार्थी और विशेषज्ञ हाइब्रिड मोड से भाग ले रहे हैं। मुख्यातिथि प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला के कुलमति प्रो. महावीर सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व की सबसे प्राचीन एवं समृद्ध परंपराओं में से एक है, जिसमें दर्शन, विज्ञान, स्वास्थ्य और कला का

अद्वितीय समन्वय देखने को मिलता है। भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल अध्यात्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत समृद्ध है। विशिष्ट अतिथि डॉ. नरेंद्र कुमार सांख्यान ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिकता और आधुनिक समय में उसकी प्रासंगिकता पर विचार रखे।

वहीं सौम्या सांबशिवन ने भारतीय दर्शन, ज्ञान और वैराग्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत समाज में आत्मगौरव और स्वाभिमान की भावना को जागृत करती है। सम्मेलन में देश के 18 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग 385 प्रतिभागी ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से हिस्सा ले रहे हैं।



पालमपुर: सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर प्रो. महावीर सिंह व अन्य। (भृगु)

भारतीय ज्ञान प्रणाली हमारी सांस्कृतिक धरोहर : प्राचार्य

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सम्मेलन संरक्षक प्रो. पंकज सूद ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर है, जिसे हजारों वर्षों से संरक्षित और विकसित किया गया है। मुख्य वक्ता डॉ. कौशल कुमार शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण आधार है तथा वर्तमान पीढ़ी को अपनी संस्कृति और ज्ञान परंपरा को समझने और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। आमंत्रित वक्ताओं डॉ. बलराज सिंह बराड़ और डॉ. राजकुमार ने वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, पुराण, योग और भारतीय दर्शन से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए।

दैनिक जागरण : -
10/05/2026

दैनिक जागरण : -
11/05/2026

489

कैपस प्लेसमेंट में कालेज के तीन छात्र चयनित

संवाद सहयोगी, जागरण • पालमपुर : क्षेत्र के निजी विश्वविद्यालय में 30 अप्रैल को आयोजित कैपस प्लेसमेंट में बलिदानी कैप्टन विक्रम बत्रा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर के बीबीए विभाग के तीन छात्र निखिल, आकांक्षा और अंजलि का चयन ई-क्लराक्स कंपनी के लिए हुआ है। यह छात्र कंपनी के चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में सेवाएं देंगे। कंपनी ई-हैं 3,50,000 के बेसिक सालाना पैकेज के साथ मूलभूत सुविधाएं प्रदान करेगी। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. पंकज सूद ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विभागीय कोऑर्डिनेटर डा. साहिल महाजन एवं स्टाफ सदस्यों को भी बधाई दी।

(490)

लोक विद्या भारतीय ज्ञान परंपरा की धरोहर



भारतीय ज्ञान परंपराएं सतत भविष्य के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण विषय पर आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि को सम्मानित करते प्राचार्य • सौ. कालेज पालमपुर : बलिदानी कैप्टन विक्रम बत्रा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (आइसीएसएसओ) से प्रायोजित भारतीय ज्ञान परंपराएं सतत भविष्य के लिए बहुविषयक दृष्टिकोण विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन रविवार को हुआ। सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत प्रो. भाग चंद चौहान (केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश) के वक्तव्य भारतीय ज्ञान परंपरा से हुई। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है। डा. सचिन कुमार प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय देहरी ने कहा कि लोक विद्या भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। मुख्य वक्ता डा. पमिता अवस्थी ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को नई शिक्षा नीति के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्यातिथि प्रो. ललित कुमार अवस्थी यह एक ऐसी प्रणाली है जो स्वयं प्रकृति और ब्रह्मांड की समझ समझ पर जोर देती है। (संभ)

491. दैनिक निगरानी
14/05/2026

(492) अमर उजाला !
14/5/2026

अच्छी संगत भी नशे से दूर रहने का प्रभावी माध्यम

पालमपुर : बलिदानी कैप्टन विक्रम बतारा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नशा दुरुपयोग, नशे के शिकार व्यक्तियों को कानूनी सहायता तथा नशे के उन्मूलन विषय पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता न्यायिक न्यायालय परिसर पालमपुर एवं जिला न्यायालय धर्मशाला के अधिवक्ता क्षितिज कोरला उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं के बीच बढ़ते नशे के प्रचलन पर चिंता व्यक्त की और

नशीले पदार्थों के सेवन, कब्जे तथा तस्करी से संबंधित कानूनी परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के उपाय बताते हुए कहा कि अच्छी संगत, संकारात्मक जीवन शैली, खेलकूद एवं जागरूकता ही इस समस्या से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। महाविद्यालय प्राचार्य एवं नगर निगम पालमपुर की एंटी ड्रग ड्राइव समिति के अध्यक्ष प्रो. पंकज सूद ने नशे की रोकथाम में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। (संभ)

पालमपुर कॉलेज में नशे के विरुद्ध किया जागरूक

पालमपुर (कांगड़ा)। बलिदानी कैप्टन विक्रम बतारा कॉलेज पालमपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नशा दुरुपयोग, नशे के शिकार व्यक्तियों को कानूनी सहायता और नशे के उन्मूलन विषय पर जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। न्यायिक न्यायालय परिसर पालमपुर और जिला न्यायालय धर्मशाला में वकालत कर रहे क्षितिज कोरला मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने नशीले पदार्थों के सेवन, कब्जे और तस्करी से संबंधित कानूनी परिणामों की जानकारी दी। नशे से जुड़े अपराधों में कठोर कारावास, भारी जुर्माना और सामाजिक व व्यावसायिक जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पंकज सूद ने रोकथाम के प्रयासों की जानकारी दी। इस मौके पर प्रो. कल्पना ऋषि, प्रो. अनुपमा शर्मा, प्रो. अजय ठाकुर आदि मौजूद रहे। संवाद

493.

हिमाचल दूरदर्शन ! - 14/5/2026

14/5/2026

पालमपुर में जागरूकता शिविर आयोजित

पालमपुर। शहीद कैप्टन विक्रम बतारा राजकीय महाविद्यालय पालमपुर में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नशा दुरुपयोग, नशे के शिकार व्यक्तियों को कानूनी सहायता तथा नशे के उन्मूलन विषय पर एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों, उससे संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अधिवक्ता क्षितिज कोरला उपस्थित रहे, जो न्यायिक न्यायालय परिसर पालमपुर एवं जिला न्यायालय धर्मशाला में वकालत कर रहे हैं। अधिवक्ता क्षितिज कोरला ने हिमाचल प्रदेश में युवाओं के बीच बढ़ते नशे के प्रचलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने नशीले पदार्थों के सेवन, कब्जे तथा तस्करी से संबंधित कानूनी परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि परिवार, शिक्षण संस्थान और समाज की सामूहिक भागीदारी से ही नशे जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त किया जा सकता है।

